5218

Your Roll No.....

Unique Paper Code	:	2102103503
Name of the Paper	:	Approaches to Indian Philosophy
Name of the Course	:	B.A. (Hons.) Philosophy
Semester	:	V
Duration : 3 Hours		Maximum Marks : 90

Instructions For Candidates

1. Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this questions Paper.
2. Attempt Five questions in all.
3. All questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the Paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

---

1. What is the difference between the Indian and Western approaches to the history of philosophy?
भारतीय और पाश्चात्य दार्शनिक इतिहास-लेखन के दृष्टिकोण में क्या अंतर है?

2. Explain the relationship between philosophy and religion in Indian thought as interpreted by Radhakrishnan. Compare with Western views.
राधाकृष्णन के अनुसार भारतीय चिंतन में दर्शन और धर्म के संबंध को स्पष्ट कीजिए तथा पाश्चात्य दृष्टिकोण से तुलना कीजिए।

3. Examine Matilal's contribution to reshaping Indian philosophy in the modern global academic context.

आधुनिक वैश्विक शैक्षणिक संदर्भ में भारतीय दर्शन के पुनर्पाठ में मतिलाल के योगदान का परीक्षण कीजिए।

4. What are the main differences between the Indian debate tradition and Western logic? Explain with reference to Raghuramaraju.
भारतीय वाद-परंपरा और पश्चिमी तर्कशास्त्र में मुख्य अंतर क्या हैं? रघुरामराजू के विचारों के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

5. Critically analyze M. N. Roy's approach to evaluate Indian traditional philosophy.
भारतीय पारंपरिक दर्शन के मूल्यांकन में एम. एन. रॉय के दृष्टिकोण का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

6. Why does Ambedkar argue that social reform must precede political reform?
अंबेडकर क्यों कहते हैं कि राजनीतिक सुधार से पहले सामाजिक सुधार आवश्यक है?

7. Compare the treatment of materialism in the works of M. N. Roy and Debi Prasad Chattopadhyaya.
एम. एन. रॉय और देबीप्रसाद चट्टोपाध्याय के भौतिकवाद संबंधी दृष्टिकोणों की तुलना कीजिए।

8. Write short notes in any two:
किन्ही दो पर टिप्पणी करें:

(A) Dasgupta on the 'Dogmas' of Indian philosophy.
दासगुप्ता भारतीय दर्शन के 'हठधर्मिता' पर।

(B) Daya Krishna on the continuing influence of philosophical Myths.
दार्शनिक मिथकों के निरंतर प्रभाव पर दया कृष्ण।

(C) M. N. Roy's rational reconstructions of Lokāyata.
एम.एन. रॉय का लोकायत का तर्कसंगत पुनर्निर्माण।

(D) Nyāya, Anvīkṣikī and the foundations of Indian Rationalism.
(डी) न्याय, आन्वीक्षिकी और भारतीय बुद्धिवाद की नींव।